



मेरी सरकार India  
**Fortnightly  
Newsletter**

**WHAT'S INSIDE**

---

*'In this new era, India will write its own destiny'* - PM Narendra Modi at 2018 Independence Day

---

A thrust towards securing the lives of crores of families - Swachh Bharat Mission (Gramin)

---

A historic step towards empowering the Backward Communities



**#NewIndia**



<https://transformingindia.mygov.in>

**#TransformingIndia**

# Exclusive Focus

हम निकल पड़ें हैं प्रण करके, अपना तन—मन अर्पण करके  
जिद है एक सूर्य उगाना है, अम्बर से ऊंचा जाना है  
एक भारत नया बनाना है, एक भारत नया बनाना है

- नरेन्द्र मोदी



The Prime Minister's address on the occasion of the 72nd Independence Day from the ramparts of the historic Red Fort laid out the great pace with which India has transformed over the last 4 years. Through mentioning developments of several government initiatives, the government led by PM Modi has moved significantly from 'policy paralyses' to a 'reform, perform and transform' approach.



## Some of the key highlights of the speech includes:-

1

The Constitution of India given to us by Dr. Babasaheb Ambedkar has spoken about justice for all. The recently concluded Parliament session was one devoted to social justice. The Parliament session witnessed the passage of the bill to create an OBC Commission.



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



my  
GOV  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

1

# एक्सलूसिव फ़ोकस

हम निकल पड़ें हैं प्रण करके, अपना तन—मन अर्पण करके  
जिद है एक सूर्य उगाना है, अम्बर से ऊंचा जाना है  
एक भारत नया बनाना है, एक भारत नया बनाना है

- नरेन्द्र मोदी



ऐतिहासिक लाल किले के प्राचीर से 72 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में उन पहलों और उपलब्धियों का जिक्र किया जिसने पिछले 4 वर्षों में देश को पूरी तरह से बदल दिया है। कई महत्वपूर्ण पहलों के माध्यम से देश में तेज विकास को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने 'नीतिगत पक्षाघात' की स्थिति से देश को निकाल कर 'reform, perform और transform' की रणनीति से कार्य किया है।



1

भाषण के मुख्य अंश: —

डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा दिए गए भारत के संविधान में सभी के लिए न्याय के बारे में बात की गई है। हाल ही में संपन्न संसद का सत्र सामाजिक न्याय के लिए समर्पित था। संसद सत्र में ओबीसी आयोग बनाने के लिए बिल पारित किया है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
[#TransformingIndia](https://twitter.com/TransformingIndia)

2

2

Women officers commissioned in short service will get opportunity for permanent commission like their male counterparts.

3

The practise of Triple Talaq has caused great injustice among women. I ensure the Muslim sister that I will work to ensure justice is done to them.

4

If we had continued at the same pace at which toilets were being built in 2013, the pace at which electrification was happening in 2013, then it would have taken us decades to complete them.

5

The demand for MSP was pending for years. With the blessings of farmers , the decision on MSP was taken by our Government

6

With 'Beej se Bazaar Tak' approach we are bringing remarkable changes in the agricultural sector. The aim is to double farmer incomes by 2022

7

Who did not want the passage of GST yet it was pending for years. Last year GST became a reality.

8

From being seen as among the fragile five, India is now the land of reform, perform and transform. We are poised for record economic growth.

9

As important as economic growth is dignity of the individual , initiatives such as Ujjwala and Saubhagya Yojana are enhancing the dignity of fellow Indians.

10

Mahatma Gandhi led the Satyagrahis to freedom. Today, the Swacchagrahis have to ensure a Swachh Bharat.

11

Pradhan Mantri Jan Arogya will be launched on 25th September this year. It is high time we ensure that the poor of India get access to good quality and affordable healthcare.

12

The honest taxpayer of India has a major role in the progress of the nation. It is due to them that so many people are fed, their lives of the poor are transformed.

13

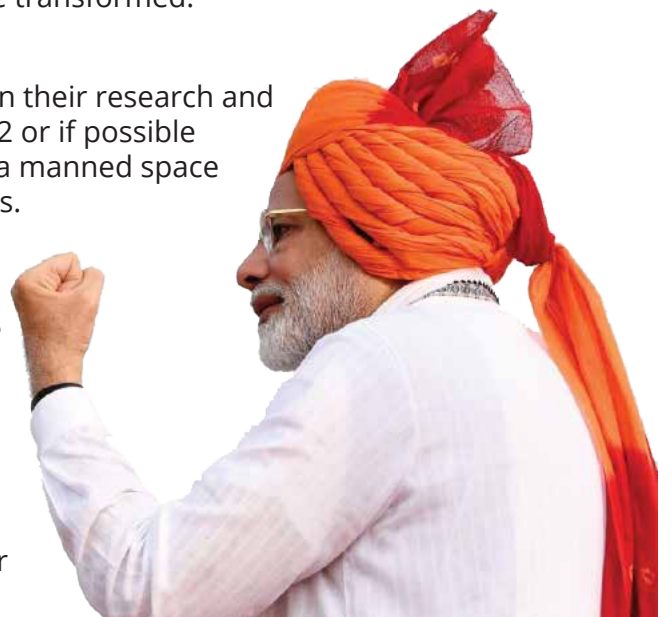
India is proud of our scientists who are excelling in their research and are at the forefront of innovation. In the year 2022 or if possible before, an Indian son or daughter will undertake a manned space mission 'Gaganyaan' with a tricolour in their hands.

14

There was a time when North East India used to feel that Delhi is very far from them, but today we have brought Delhi to the doorstep of North East

15

In today's India there is no place for nepotism . We will not forgive the corrupt and those who stashed black money. Delhi's streets are now free from power brokers. From the voice of power brokers, the voice of the poor is heard.



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
[#TransformingIndia](https://twitter.com/TransformingIndia)

2

भारतीय सशस्त्र सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन के माध्यम से नियुक्त महिला अधिकारियों को पुरुष समकक्ष अधिकारियों की तरह पारदर्शी चयन प्रक्रिया द्वारा स्थाई कमीशन मिलेगी।

3

अगर हम उसी गति से जारी रहते जिस पर 2013 में शौचालयों का निर्माण किया जा रहा था, तो जिस गति पर विद्युतीकरण 2013 में हो रहा था, तो हमें उन्हें पूरा करने के लिए दशकों लग गए होते।

4

तीन तलाक की कुशति ने हमारे देश की मुस्लिम बेटियों की जिंदगी को तबाह करके रखा हुआ है। देश की इन पीड़ित माताओं और बहनों को, मुस्लिम बेटियों को मैं विश्वास दिलाता हूँ कि मैं उनके न्याय के लिए, उनके हक के लिए प्रयास करने में कुछ भी कमी नहीं रखूंगा।

5

शौचालय बनाने में 2013 की जो रफ़्तार थी, उसी रफ़्तार से चलते तो शायद कितने दशक बीत जाते, शौचालय शत-प्रतिशत पूरा करने में।

6

अगर हम गांव में बिजली पहुंचाने की बात को कहे, अगर 2013 के आधार पर सोचें तो गांव में बिजली पहुंचाने के लिए शायद एक-दो दशक और लग जाते।

7

सालों से एमएसपी की मांग चल रही थी। लेकिन हमने हिम्मत के साथ फैसला लिया कि मेरे देश के किसानों को लागत का डेढ़ गुना एमएसपी दिया जाएगा।

8

‘बीज से बाज़ार तक’ हम कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव ला रहे हैं। इसका उद्देश्य 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करना है।

9

जीएसटी सब चाहते थे, लेकिन निर्णय नहीं हो पा रहे थे, वर्षों से यह अटका हुआ था। पिछले साल जीएसटी एक वास्तविकता बन गई।

10

एक वक्त था, जब विश्व भारत को फ्रैंचाइज़ फाइव में गिनता था। लेकिन भारत में आज रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म का सिलसिला चला रहा है। हम रिकॉर्ड आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

11

देश में आर्थिक विकास के बावजूद भी मानव की गरिमा महत्वपूर्ण है। उज्ज्वला योजना और सौभाग्य योजना जैसी पहल देशवासियों की गरिमा बढ़ा रही हैं।

12

महात्मा गांधी के नेतृत्व में सत्याग्रहियों ने देश को आजादी दिलाई। आज, स्वच्छग्रहियों को स्वच्छ भारत सुनिश्चित करना है।

13

प्रधानमंत्री जन आरोग्य इस साल 25 सितंबर को लॉन्च किए जाएंगे। आज के समय में इस अभियान की सख्त जरूरत है ताकि देश के गरीबों को अच्छी गुणवत्ता और किफायती स्वास्थ्य सेवा मिल सके।

14

ईमानदार करदाता देश की प्रगति में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह उनके कारण है कि बहुत से लोगों को खिलाया जाता है, गरीबों के उनके जीवन बदल जाते हैं

15

भारत को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है जो अपने शोध में उत्कृष्ट हैं और नवाचार के सबसे आगे हैं। जब हम आज़ादी के 75 साल मनाएंगे तब मां भारत का कोई संतान चाहे बेटा हो या बेटी अंतरिक्ष में तिरंगा लेकर जाएगा। मानव सहित गगनयान अंतरिक्ष में कोई हिन्दुस्तानी लेकर जाएगा।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia

# Tracing New India's Growth Story with PM Modi's Independence Day Speeches over the last 4 Years

## Empowering our Farmers' for a Prosperous India



### What is the outcome 2014 to 2017

Production of food grain increased to 10.5 % where in 2017-18 , 280 mt were produced vs 250 mt 2010-14



3.5 cr farmers covered under Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, total area covered under Micro irrigation in Pradhan Mantri Krishi Sinchai Yojana (1.71 lakh hectare)



Historic rise in MSP of all kharif crops (including pulses ) of about 50%



Strategy to double farmers' income  
Beej Se Bazaar Tak:



### What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 Farmer serves Mother India by filling the godowns with grains. Filling the granary is the biggest nation's service that a farmer provides.
- 2 Only talking about agricultural development is incomplete for rural life style and for agriculture-based livelihood. That will become complete, when the welfare of the farmer is also linked.
- 3 The farmers have land and if they get water, then the farmer of my country has the power to produce gold out of the soil.
- 4 Farmers are now producing record harvests and scaling new heights despite facing natural adversities.

- Budget allocation increased double fold from Rs 1,21 lakh cr 2009-14 to 2.12 lakh cr (2009-2014)
- 15 cr soil health cards distributed (as of date )
- 100 % neem coating of urea which improves soil health and boosts yield
- 585 mandis linked to e-NAM
- 23.8 lakh hectare brought under organic farming ,
- Impetus to alternative sources of income including blue revolution, white revolution, fisheries among others



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# पिछले 4 वर्षों में स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी के भाषण और न्यू इंडिया के विकास की कहानी



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा? 2014 से 2017

- 1 हमारे किसान देश के गोदामों को अनाज के साथ भरकर भारत माता की सेवा कर रहे हैं। रिकॉर्ड फसल उत्पादन से देश का अन्न भंडार भरना देश की सबसे बड़ी सेवा है, जो हमारे किसान कर रहे हैं।
- 2 केवल कृषि विकास के बारे में बातें करना ग्रामीण जीवन शैली और कृषि आधारित आजीविका के लिए अपूर्ण है। यह तभी पूरा हो पाएगा जब किसानों के कल्याण पर भी जोर दिया जाएगा।
- 3 किसानों के पास भूमि है और यदि उन्हें पानी मिल जाए है तो हमारे देश के किसानों के पास मिट्टी से सोना उपजाने की शक्ति है।
- 4 मानसून की अनियमितताओं और प्राकृतिक विपत्तियों का सामना करने के बावजूद किसान अब रिकॉर्ड मात्रा में फसल का उत्पादन कर रहे हैं और खाद्यान्न की उपज को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

## समृद्ध भारत के लिए देश के किसानों का सशक्तिकरण

### उपलब्धियां 2014 से 2017

खाद्यान्न के उत्पादन में 10.5% तक वृद्धि हुई है। 2017-18 में जहां 280 मीट्रिक टन का कुल उत्पादन हुआ, वहीं 2010-14 के दौरान यह 250 मीट्रिक टन था।



प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 3.5 करोड़ किसानों को फसल बीमा मिली।



प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई सुविधा से सिंचित कुल भूमि (1.71 लाख हेक्टेयर)



सभी खरीफ फसलों (दालों सहित) के एमएसपी में लगभग 50% की ऐतिहासिक वृद्धि।



- किसानों की आमदनी को दोगुना करने हेतु बीज से बाजार तक की रणनीति
- पहले बजटीय आवंटन (2009-2014 के दौरान) 1.21 लाख करोड़ रुपये था, जिसे बढ़ाकर 2.12 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया
- 15 करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित किए गए (अब तक)
- 585 मंडियां ई-नैम (e-NAM) से जुड़ीं
- 23.8 लाख हेक्टेयर भूमि को जैविक खेती के अंतर्गत लाया गया
- नीली क्रांति, सफेद क्रांति, मत्स्य पालन समेत आय के अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# Economic Growth in upswing despite reverse trends in global arena



## What is the outcome 2014 to 2017

India's growth rate in GDP averaged at 7.3% from 2014-15 to 2017-18 among major economies



FDI jumped \$60.98 bn in 2016-17 from \$24.3 in 2013-14 clocking a rise of 36%



India's rank in Ease of Doing Business (100) in 2018 from 142



Number of Mobile manufacturing units set up 120 in 2018 from just 2 in 2014



### GST impact:



- Reduction in cascading effect of taxes and benefit to all sectors of economy including small traders, businesses, consumers and logistics sector.
- Application of GST increased the number of unique indirect taxpayers by more than 50 per cent

### Impact of Demonetisation:

- 80.2% reduction in Indian Black Money in Swiss banks between 2013 and 2017
- About 2.97 lakh shell companies were deregistered
- Higher tax compliance where the percent of Income Tax Returns filed in 2017-18 registered a 80.5% increase in 2017-18

## What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 I want to appeal all the people world over, from the ramparts of the Red Fort, "Come, make in India", "Come, manufacture in India.
- 2 We have achieved several milestones through demonetisation. The hidden black money has been brought into the formal economy.
- 3 We have left behind even the big economies of the world in matters of growth rate and GDP.
- 4 Low interest rates on loans from banks are making lives easier for many and providing a fillip to the country's economic growth.



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's MANN KI BAAT



my GOV मेरी सरकार

www.mygov.in  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



# विश्व में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद देश में आर्थिक विकास

## उपलब्धियां 2014 से 2017

2013-14 में एफडीआई 24.3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2016-17 में 60.98 बिलियन डॉलर की हो गई, जो 36% की बढ़ोतरी है।



वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट 2017 के मुताबिक एफडीआई प्रवाह (2016) में भारत 9 वें स्थान पर रहा।



ग्रीनफील्ड एफडीआई को आकर्षित करने में भारत पहले स्थान पर रहा।



2018 में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत का रैंक 142 से सुधरकर 100 पर पहुंचा



### जीएसटी प्रभाव:



- करों के जटिल नियमों के आसान होने से छोटे व्यापारियों, व्यवसायों, उपभोक्ताओं और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र समेत अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को लाभ
- जीएसटी के कारण नए अप्रत्यक्ष करदाताओं की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

### विमुद्रीकरण का असर:

- 2013 से 2017 के बीच स्विस बैंकों में भारतीय ब्लैक मनी में 80.2% की कमी आई।
- लगभग 2.97 लाख शेल कंपनियों को अपंजीकृत कर दिया गया।
- प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच 2014-15 से 2017-18 तक भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.3% रही।
- आयकर के अनुपालन में जबर्दस्त वृद्धि हुई। 2017-18 में आयकर रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में 80.5% की वृद्धि दर्ज की गई।



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा? 2014 से 2017

- 1 मैं लाल किले के प्राचीर से पूरी दुनिया से अपील करना चाहता हूँ, "Come, make in India", "आइये, भारत में निर्माण कीजिए।"
- 2 हमने विमुद्रीकरण के माध्यम से कई उपलब्धियां हासिल की है। छुपे हुए काले धन को देश की औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाया गया है।
- 3 विकास दर और सकल घरेलू उत्पाद के मामलों में हमने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है।
- 4 बैंकों से ऋण पर कम ब्याज दरों ने कई लोगों के लिए जीवन को आसान बनाया है और देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
MANN KI BAAT



my  
GOV  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia



# Taking forward the goal of 'Antyodaya'

## What is the outcome 2014 to 2017



### What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 If we have to build a nation, we should start from the village. Make a Model Village
- 2 We affirm our commitment to provide electricity to all villages that don't have electricity
- 3 Rural roads are a perpetual issue in our country. Each rural citizen craves for pakka road
- 4 So we will together build such an India where the poor will have Pucca House with electricity and water.

Transformation of Aspirational District program launched where over 115 districts identified



Deen Dayal Upadhyay Gram Jyoti Yojana achieved 100% village electrification



Upping the speed of rural transformation



- **Ujjwala Yojana-**  
Around 5 cr BPL LPG connections provided to women well ahead of its target
- **MUDRA-**  
More than 13 cr small entrepreneurs funded
- **Under Pradhan Mantri Awas Yojana (R)-**  
Over 1 cr houses have been built
- **Toilets build in rural India-**  
7.25 cr (2014-18) vs 6.5 cr (1947-2014)
- **Rural Road connectivity increased**  
from 56% (2014) to 82 % in villages



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's **MANN KI BAAT**



**my GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा? 2014 से 2017

- 1 अगर हमें एक राष्ट्र बनाना है, तो इसकी शुरुआत हमें गांव से करनी चाहिए। आदर्श गांव का निर्माण करना चाहिए।
- 2 हम उन सभी गांवों में बिजली पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिन गांवों में बिजली अभी तक नहीं पहुंची है।
- 3 ग्रामीण सड़क हमारे देश में हमेशा से एक मुद्दा रहा है। देश के प्रत्येक ग्रामीण नागरिक को पक्की सड़क की जरूरत है।
- 4 हम एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जहां गरीबों के पास पक्का मकान के साथ-साथ बिजली और पानी की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

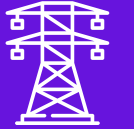
## 'अंत्योदय' के लक्ष्य की दिशा में प्रयास

### उपलब्धियां 2014 से 2017

परिवर्तन के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम की शुरुआत, जिसके तहत 118 जिलों की पहचान की गई।



दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत ग्रामीण विद्युतीकरण का 100% लक्ष्य पूरा



### ग्रामीण विकास की गति हुई तेज: -



- उज्वला योजना— निर्धारित समय से काफी पहले 5 करोड़ बीपीएल महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए।
- मुद्रा— 13 करोड़ से अधिक छोटे उद्यमियों का ऋण प्रदान किया गया।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) — इसके तहत ग्रामीण इलाकों में अब तक 1 करोड़ से ज्यादा घर बनाए गए।
- देश के ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों का निर्माण— 7.25 करोड़ (2014—18) बनाम 6.5 करोड़ (1947—2014)
- ग्रामीण सड़क कनेक्टिविटी गांवों में 56% (2014) से 82% तक बढ़ी है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia



# Financial Inclusion A thrust towards economic empowerment

## What is the outcome 2014 to 2017

### What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 I have come here with a pledge to launch a scheme on this festival of Freedom. It will be called `Pradhanmantri Jan-Dhan Yojana`
- 2 Bank accounts are essential for integrating the poor into the financial system
- 3 There were banks and the governments, nationalisation had already taken place, but the common man of the country was not able to be a part of the mainstream of national economy
- 4 More than 29 crore Jan Dhan accounts opened. More money has come to banks due to demonetization which will give impetus to the economy.

Close to 32 cr bank accounts have been opened, according to World Bank Findex Report 55% of new bank accounts have been opened globally (2014-17)



Total deposit in account Rs (80674.2 cr)



Number of RuPay card issued to beneficiaries (24.27 cr)



13.25 cr insured under Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojan



PM Jeevan Jyoti Yojana benefitted 5.22 cr families



Atal Pension Yojana has a total subscriber base of 1 cr



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



# वित्तीय समावेशन— आर्थिक सशक्तिकरण विशेष जोर

उपलब्धियां  
2014 से 2017



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा ? 2014 से 2017

- 1 मैं आज़ादी के इस उत्सव पर एक योजना शुरू कर रहा हूँ। इसे 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना' कहा जाएगा।
- 2 वित्तीय व्यवस्था से गरीबों को जोड़ने के लिए बैंक खाते बेहद आवश्यक हैं।
- 3 बैंक और सरकारें पहले भी थीं , राष्ट्रीयकरण पहले ही हो चुका था, लेकिन देश का आम आदमी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाया।
- 4 29 करोड़ से ज्यादा जन-धन खाते खोले गए। इससे बैंकों के पास और अधिक पैसा आ गया है, जो अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

करीब 32 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं, विश्व बैंक फिंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर खोले गए नए बैंक खातों (2014-17) का 55% अपने देश में खोले गए।



जन-धन खाते में कुल 80574.2 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि जमा की गयी है।



लाभार्थियों को जारी रुपये कार्ड की कुल संख्या (24.27 करोड़)



प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत कुल 13.25 करोड़ लोगों को बीमा की सुरक्षा मिली।



5.22 करोड़ परिवारों को पीएम जीवन ज्योति योजना का लाभ मिला।



अटल पेंशन योजना से कुल 1 करोड़ लोग जुड़े हैं।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia

# From Women development to Women-led development

## What is the outcome 2014 to 2017

**Beti Bachao, Beti Padhao- Sex ration improved in 104 districts, rising enrolment of girls in secondary schools**



**Sukanya Samridhi Yojana- More than 1.26 cr accounts opened with around Rs 20000 cr deposited**



**Mission Indradhanush- Over 80 lakh pregnant women immunized**



**Maternity Benefit (Amendment) Act 2017- Paid maternity leave extended to 26 weeks, one of the highest duration in the world so far**



**9 crore women have jointly benefitted from Mudra and StandUp India**



**Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act - Highest ever participation of women in 2016-17 at 56%**



**Passed the Muslim Women (Protection of Rights on Marriage) Bill that seeks to ban triple talaq**



**Passed the Ordinance on Death Penalty for Rape of Girl Child under 12 years**



## What PM said on Independence Day ? 2014 to 2017

- 1 Disparity in family is a case of female foeticide. We will have to liberate from it, and that is message to us of this Freedom festival.
- 2 Heads are bowed in shame when an incident of rape occurs. Instead of trying to change mindsets, we end up imposing more restrictions on our daughters.
- 3 We have an integrated approach and I still need the cooperation of the society in the initiatives which we have taken in "Beti Bachao-Beti Padhao"
- 4 We have taken a very important step to reform the labour laws to provide them the employment opportunities in the night also.



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
[#TransformingIndia](https://twitter.com/TransformingIndia)

# महिला विकास से महिलाओं के नेतृत्व में विकास

## उपलब्धियां

2014 से 2017



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा? 2014 से 2017

- 1 महिला भ्रूणहत्या परिवार में व्याप्त एक तरह की असमानता है। हमें इससे मुक्त होना होगा, यही इस त्यौहार का संदेश है।
- 2 जब बलात्कार की घटना होती है तो सिर शर्म से झुक जाता है। अपनी मानसिकता को बदलने की कोशिश के बजाय, हम अपनी बेटियों पर अधिक से अधिक प्रतिबंध लगाते हैं।
- 3 महिलाओं के कल्याण की दिशा में सरकार ने नरम और समन्वित दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें बेटे बचाओ, बेटे पढ़ाओ प्रमुख है। इस पहल की दिशा में समाज के सहयोग की जरूरत है।
- 4 रात में भी रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए हमने श्रम कानूनों के सुधार की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

बेटी बचाओ, बेटे पढ़ाओ— 104 जिलों में लिंगानुपात में सुधार, माध्यमिक विद्यालयों में लड़कियों का नामांकन बढ़ा



सुकन्या समृद्धि योजना— 1.26 करोड़ से ज्यादा खार्त खोले गए और इसमें लगभग 20000 करोड़ रुपये जमा किए



मिशन इंद्रधनुष— 80 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया



प्रसूति लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017— सर्वतनिक मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह तक बढ़ाया गया, दुनिया में अब तक की सबसे ज्यादा अवधि का मातृत्व अवकाश।



मुद्रा और स्टैंडअप इंडिया से 9 करोड़ महिलाएं संयुक्त रूप से लाभान्वित हुई हैं।



महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम — 2016-17 में महिलाओं की सबसे ज्यादा 56% भागीदारी।



ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध लगाने हेतु मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक पारित



12 साल से कम उम्र की बालिका के बलात्कार के दोषियों के लिए मौत की सजा का अध्यादेश पारित।



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's MANN KI BAAT



my GOV मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia



# Creating Opportunities to Empower our Youth

## What is the outcome 2014 to 2017



Over 10 lakh youth trained and over 7 lakh placed under Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana



589 Rural Self-Employment Training Institutes trained over 27 lakh youth and placed over 18 lakh of them



6 new IITs made operational - IIT Palakkad, IIT Tirupati, IIT Bhilai, IIT Goa, IIT Jammu and IIT Dharwad



Over 30,000 students are engaged with 2,400 Atal Tinkering Labs promoting research and innovation in youth



1.7 Cr digital books and journals available to over 30 Lakhs users at the National Digital Library of India



11,841 start-ups recognised by the Government, with 1,97,967 start-ups are registered in Start Up India portal



## What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 Millions and Millions of Indian youth should go for acquisition of skills and there should be a network across the country for this and not the archaic systems.
- 2 You will find that with in no time, India would see a network of start up, new entrepreneurs would emerge and they would in-turn provide employment ranging from one to two to four persons which will transform India's economic life.
- 3 We have taken many initiatives to realise those dreams of Pt. Deendayalji and to fulfil the hopes and aspirations of 800 million youths of the country.
- 4 Our youth should become independent, he should get the employment, he should become the provider of employment.



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's MANN KI BAAT



www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia





# युवाओं के सशक्तिकरण हेतु रोजगार के अवसरों का निर्माण

उपलब्धियां  
2014 से 2017



दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत 10 लाख से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षण मिला और 7 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिले।



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा? 2014 से 2017

- 1 देश के लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण लेना चाहिए और देश भर में अत्याधुनिक कौशल प्रशिक्षण का नेटवर्क होना चाहिए, न कि पुरातन प्रणालियों।
- 2 जल्द ही आप देश में स्टार्ट अप का एक बड़ा नेटवर्क देखेंगे, नए उद्यमी उभरेंगे और वे एक-दो से चार व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करेंगे जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल देगा।
- 3 हमने पंडित दीनदयाल जी के सपने को साकार करने की कई पहल की हैं, जो देश के 800 मिलियन युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करेगा।
- 4 हमारा युवा स्वतंत्र होना चाहिए, उसे रोजगार मिलनी चाहिए, उसे रोजगार प्रदाता भी बनना चाहिए।

589 ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से 27 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण मिला और उनमें से 18 लाख से अधिक को रोजगार मिला।



6 नए आईआईटी की स्थापना –  
आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी तिरुपति,  
आईआईटी भिलाई, आईआईटी गोवा,  
आईआईटी जम्मू और आईआईटी धारवाड़।



अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने वाले 2,400 अटल टिकरिंग लैब्स से 30,000 से अधिक छात्र से जुड़े हुए हैं



देश की राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी में 3 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए 17 मिलियन डिजिटल किताबें और पत्रिकाएं उपलब्ध हैं।



स्टार्ट अप इंडिया पोर्टल पर 1,97,967 स्टार्ट-अप पंजीकृत हैं, जिनमें से 11,841 स्टार्ट-अप को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
MANN KI BAAT



my  
GOV  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia



## What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 Today IT that has the potential to connect each and every citizen of the country and that is why we want to realise the mantra of unity with the help of `Digital India`.
- 2 Through electronic platform, mygov.in, through lacs of letters of the countrymen, through my Mann Ki Baat, through dialogues with citizens, this people's participation is on the rise day by day.
- 3 We should lead from the front to make a move towards Digital transactions.
- 4 The process of engagement can take place only by joining the mainstream. Govt. is striving to bring changes through technology.

## Technology Driven Development

### What is the outcome 2014 to 2017

Over 1.5 cr pensioners' submitted Digital Life certificates.



Over 1.5 lakh Gram Panchayats connected via Optical Fibre Network



Over 60 Lakhs users registered at MyGov.in - world`s largest digital democracy platform



Over 1.17 cr users with 1.54 cr unique uploaded documets in Digilocker



Volume of e-governance transactions done on a daily basis stands at 8.68 cr (as of April 2018 )



Number of e-payment transactions in 2013-14 was Rs 220 cr and in 2017-18 grew to Rs 2070.8 cr , which is an eightfold jump



Over Rs 3,65,996 cr directly transferred into bank accounts for 431 schemes



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's MANN KI BAAT



my GOV मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia

# प्रौद्योगिकी आधारित विकास

## उपलब्धियां 2014 से 2017

1.5 करोड़ से ज्यादा पेंशनभोगियों ने डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट का उपयोग किया।



1.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायत ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के माध्यम से जुड़े।



MyGov.in पर 6 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत— दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र का मंच



डिजिलॉकर के 1.17 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं ने 1.54 करोड़ नए दस्तावेज अपलोड किए हैं।



431 योजनाओं के लिए 3,65,996 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में अंतरित की गई।



संयुक्त राष्ट्र ई-गवर्नेंस सर्वेक्षण में भारत का रैंक 22 स्थान सुधर कर 96 वें स्थान पर पहुंचा।



ई-गवर्नेंस के जरिए दैनिक आधार पर किए गए लेन-देन की संख्या 8.68 करोड़ (अप्रैल 2018 तक) है।



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा? 2014 से 2017

- 1 आज आईटी में देश के प्रत्येक नागरिक को जोड़ने की क्षमता है और यही कारण है कि हम 'डिजिटल इंडिया' की मदद से देश की एकता को मजबूत करना चाहते हैं।
- 2 इलेक्ट्रॉनिक मंच MyGov.in के माध्यम से, देशवासियों के लाखों पत्रों के माध्यम से, मेरे मन की बात के माध्यम से, नागरिकों के साथ संवाद के माध्यम से, जनभागीदारी प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।
- 3 डिजिटल लेनदेन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हमें बढ़-चढ़ कर प्रयास करना चाहिए।
- 4 केवल मुख्यधारा से जुड़कर ही भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia



## What PM said on Independence Day? 2014 to 2017

- 1 The poor need respect and it begins with cleanliness. I, therefore, have to launch a `Swachh Bharat` campaign from 2nd October this year and carry it forward in 4 years. (2014)
- 2 In 2019 we are about to celebrate the 150th anniversary of Mahatma Gandhi and on 150th anniversary of Gandhiji we have to handover him "Swachh Bharat" as a tribute.
- 3 Healthcare is getting costlier and that is why, I am announcing important initiatives from the ramparts of the Red Fort for the healthcare of BPL families
- 4 Together we will build such an India which will be clean and healthy, and where the dream of Su-Raj will be fulfilled.

## Swachh Bharat Swasth Bharat

### What is the outcome 2014 to 2017

Over 8 cr toilets built since 2014



Over 4 lakh villages and over 19 states /UTs declared open-defecation free



Sanitation coverage presently at 89.5% as opposed to 38.7% in 2014, which sees a 50% increase



Cumulative savings of 11463 cr made by consumers through drug price control



Over 30 Lakh patients registered with E-Hospitals



National Health Repository launched, containing authentic, standardized and updated geo-spatial data of all public and private healthcare establishments.



Over 3 cr children vaccinated under Mission Indradhanush



3000 Jan Aushandi Kendras built resulting in 50% lower medicine bills



Over 2.5 lakh people have availed services under Pradhan Mantri Dialysis Program



Pradhan Mantri Jan Arogya Abhiyaan, also known as Ayushman Bharat to be launched on September 25, 2018. The scheme will provide free health coverage of upto Rs 5 lakh per family per year.



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's MANN KI BAAT



my GOV मेरी सरकार

www.mygov.in https://transformingindia.mygov.in #Transformingindia



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने क्या कहा ? 2014 से 2017

- 1 गरीबों का भी अपना सम्मान है और उन्हें भी इज़्ज़त मिले, इसकी शुरुआत स्वच्छता से ही होती है। मुझे स्वच्छ भारत का अभियान इसी 2 अक्टूबर से आरंभ करना है और चार साल के भीतर हम इस काम को आगे बढ़ाना चाहते हैं।
- 2 2019 में हम महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ पर जश्न मनाने वाले हैं, हमें श्रद्धांजलि के रूप में उन्हें "स्वच्छ भारत" सौंपना होगा।
- 3 स्वास्थ्य सेवाएं दिनबदिन महंगी होती जा रही हैं। इसलिए आज लाल किले के प्राचीर से देश के गरीबों को बेहतरीन एवं किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित कराने के लिए नए स्वास्थ्य योजना की घोषणा करता हूँ।
- 4 हम सभी मिल कर एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जो स्वच्छ और स्वस्थ होगा, और जहां सु-राज का सपना साकार होगा।

## स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

### उपलब्धियां 2014 से 2017

2014 से अब तक 8 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण हुआ।



19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 4 लाख से अधिक गांवों ओडीएफ घोषित किए गए।



वर्तमान में स्वच्छता कवरेज 89.5% पर है, जो 2014 में 38.7 प्रतिशत थी। इसमें 50% की वृद्धि हुई है।



दवा मूल्य नियंत्रण के माध्यम से उपभोक्ताओं को 11463 करोड़ रुपये की कुल बचत हुई।



ई-अस्पतालों के जरिए 3 करोड़ से ज्यादा मरीज पंजीकृत हुए।



राष्ट्रीय स्वास्थ्य रिपोजिटरी लॉन्च की गई, जिसमें सभी सार्वजनिक और निजी हेल्थकेयर प्रतिष्ठानों के प्रामाणिक, मानकीकृत और अद्यतन भू-स्थानिक डेटा उपलब्ध हैं।



मिशन इंद्रधनुष के तहत 3 करोड़ से ज्यादा बच्चे को टीका लगाए गए।



3000 जनऔषधि केंद्रों के निर्माण से दवा के बिल में 50% की कमी आई।



प्रधानमंत्री डायलिसिस कार्यक्रम के तहत 2.5 लाख से अधिक लोगों ने सेवाओं का लाभ उठाया है।



प्रधानमंत्री जन आरोग्य अभियान, जो आयुष्मान भारत के नाम से भी जाना जाता है, को 25 सितंबर, 2018 को लॉन्च किया जाएगा। यह योजना प्रति वर्ष प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करेगी।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia

# TOP STORIES

## A thrust towards securing the lives of crores of families Swachh Bharat Mission (Gramin)

The Swachh Bharat Mission launched by PM Narendra Modi in 2014, has made remarkable strides in the course of its implementation. From executing the initiative in mission mode which has gained a momentum unparalleled by any sanitation program.



This is replicated in the recent revelations as part of the modelling study on the health impact of the Swachh Bharat Mission Gramin (SBM) - (G) conducted by the World Health Organisation. The study suggests that given an accelerated rate of rural sanitation achieved under SBM-G coupled with the determination to end open defecation would help prevent.

3 lakh deaths due to diarrheal disease and protein-energy malnutrition (PEM). Additionally the recent Cabinet approval of Rs 15000 cr for Extra Budgetary Resources under the SBM-G that would benefit around 1.5 cr rural households, is another boost towards achieving complete sanitation by October 2019 underlined in the mission.

Swachh Bharat Mission (Gramin)  
Giving credit where it is due



Toilets Built  
(August 2017)

89.07%

ODF free villages  
(August 2017)

4,09,442

ODF free district  
(August 2017)

421

Prevalence of diarrhoea  
(ODF areas)

18.1%

Underweight children in  
(non-ODF areas)

41.2%

Underweight children in  
(ODF areas)

28.3%

The above statistics depict the enormous progress that the government led by PM Narendra Modi has made in its resolve of achieving a 'Swachh Bharat' beyond changing the behaviour of rural India that has transformed it into a 'Jan Andolan' resulting in an overall development.



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# प्रमुख समाचार

## देश में बेहतर हुई स्वच्छता और सेहत की स्थिति— स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है। मिशन मोड में शुरू की गई यह पहल बेहतरीन कार्यान्वयन के जरिए अद्वितीय स्वच्छता कार्यक्रम बन कर उभरी है।



हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएम-जी) का स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के मुताबिक एसबीएम-जी के तहत ग्रामीण स्वच्छता अभियान से न केवल गांव खुले में शौच (ओडीएफ) से मुक्त हुए बल्कि इससे डायरिया और प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण (पीईएम) के कारण हो रही 3 लाख मौतों को रोकने में भी मदद मिलेगी।

इसके अतिरिक्त एसबीएम-जी को अतिरिक्त बजटीय संसाधनों के लिए 15000 करोड़ रुपये की हालिया कैबिनेट की मंजूरी से लगभग 1.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को लाभ होगा। साथ ही इस फैसले से अक्टूबर 2019 तक पूर्ण स्वच्छता प्राप्ति के लक्ष्य की दिशा में पहल और तेज होगी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) —  
लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में पहल



शौचालयों का निर्माण  
(अगस्त 2017)

89.07%

ओडीएफ मुक्त गांव  
(अगस्त 2017)

4,09,442

ओडीएफ मुक्त जिला  
(अगस्त 2017)

421

डायरिया ग्रस्त  
(गैर-ओडीएफ क्षेत्र)

18.1%

कुपोषित बच्चे  
(गैर-ओडीएफ क्षेत्र)

41.2%

कुपोषित बच्चे  
(ओडीएफ क्षेत्र)

28.3%

उपर्युक्त आंकड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार के प्रयास से देश में हुए अभूतपूर्व बदलाव को दर्शाता है। इसके साथ-साथ 'स्वच्छ भारत' अभियान ने लोगों के व्यवहार और आदतों में व्यापक बदलाव कर इसे 'जन आंदोलन' में बदल दिया है जिसके परिणामस्वरूप समग्र विकास संभव हुआ है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
MANN KI BAAT



my  
GOV  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia

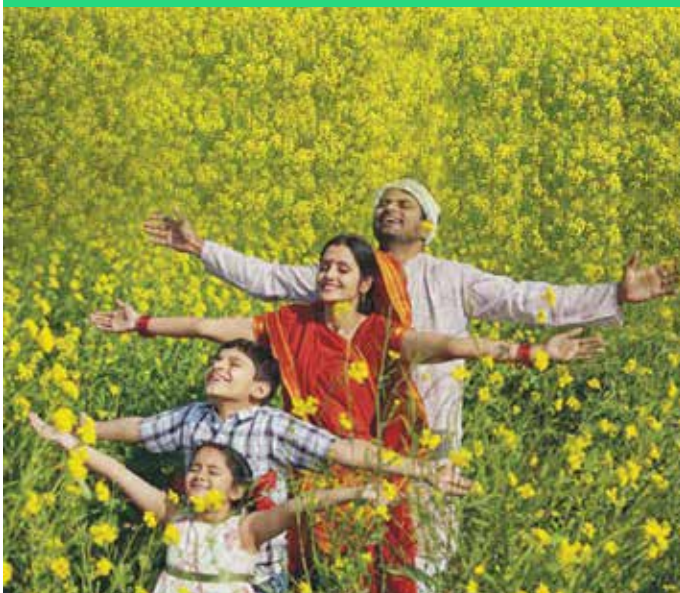
# A Push towards realising the National Commission on Farmers' Goals



The Indian farm sector under the government led by PM Narendra Modi had witnessed unprecedented progress owing to the series of measures initiated to avert agrarian distress and enhance the farmer's income by 2022.

A recent article by MS Swaminathan, the pioneer of Green revolution who had submitted his recommendations for improving the state of agriculture 11 years ago, noted the striking progress made by the present government. From cutting the cost of cultivation to providing crop insurance, to ensuring they get the right price of their produce to taking steps to facilitate the marketing of products are steps aimed at improving the economic viability of farming by ensuring that farmers earn the right price of the produce along with improving agricultural productivity.

Some of the key highlights in the recent past which strives to augment the income and status of farmers includes -



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
[#TransformingIndia](https://twitter.com/TransformingIndia)



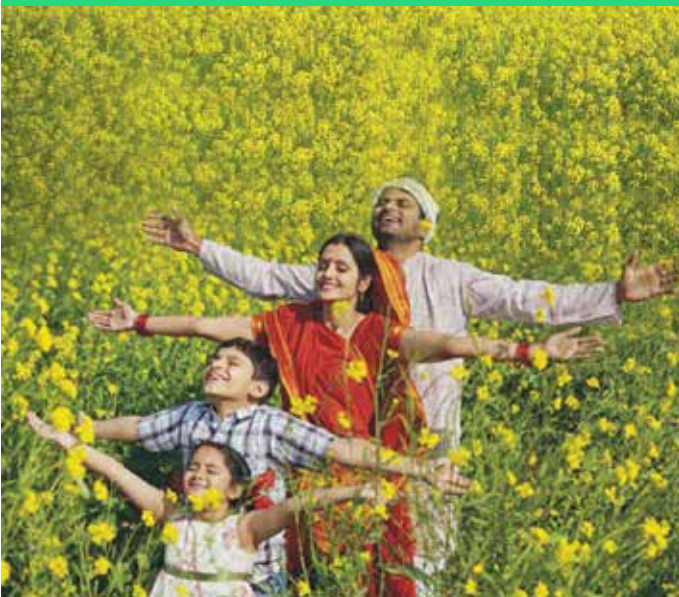
# राष्ट्रीय किसान आयोग के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में एक कदम



2022 तक किसान की आय में वृद्धि और कृषि संबंधी दिक्कतों को दूर करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने अपने प्रयास और उपायों से देश के कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है।

11 साल पहले कृषि सुधार के लिए अपनी सिफारिशें देने वाले कृषिविद् एमएस स्वामीनाथन के एक हालिया लेख में मौजूदा सरकार द्वारा की गई अभूतपूर्व प्रगति का उल्लेख किया गया है। फसल की लागत को कम करने से लेकर फसल बीमा तक, कृषि उत्पादों की सुविधाजनक मार्केटिंग के जरिए यह सुनिश्चित किया गया कि किसानों को अपनी फसल की उचित कीमत मिले ताकि इससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिले।

कृषि विकास और किसानों की आमदनी में वृद्धि हेतु हाल में किए गए प्रयासों के कुछ प्रमुख अंश इस प्रकार हैं—



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



## Towards Doubling Farmers Income

## Kisan Unnati for New India



Government announces MSP for 22 mandated crops



### Soil Health Card

15 cr soil cards distributed  
Savings in 8-10 % fertilisers and  
5-6 % increase in crop yield



Fair and Remunerative Price for Sugarcane



Indian Council of Agricultural Research developed 45 IFS (Integrated Farming Systems ) models



**Kisan Credit Card Scheme**  
Total no of operative KCCs  
(March 2018) - Close to 2 .36 cr



Cabinet approves interest free loans to fertiliser units to boost production



**Mission Organ Value Chain**  
**Development for North Eastern Region**  
45918 hectare brought under organic farming  
97 Farmer Produce Companies set up



Approval of operational guidelines with respect to Rs 5000 cr corpus for Micro Irrigation Fund to be created by NABARD

The above steps ensures the reiteration of the concept of 'Jai Kisan' which is not merely instrumental in enhancing both the income and status of farmers , but would also entail that India assumes the mantle in becoming a leader in both food and nutrition security.



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's **MANN KI BAAT**



**my GOV**  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



## किसान की दोगुनी आय के लिए



सरकार ने 22 अनिवार्य फसलों के लिए  
एमएसपी की घोषणा की



गन्ना के लिए उचित और लाभकारी मूल्य  
(एफआरपी) में वृद्धि



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने  
45 आईएफएस (एकीकृत खेती प्रणाली)  
मॉडल विकसित किए



उर्वरक उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उर्वरक  
इकाइयों हेतु ब्याज मुक्त ऋण को कैबिनेट ने दी मंजूरी



नाबार्ड के तहत सूक्ष्म सिंचाई कोष स्थापित  
करने के लिए 5000 करोड़ रुपये की आरंभिक  
राशि देने को मंजूरी



## न्यू इंडिया के लिए किसानों की उन्नति



### मृदा स्वास्थ्य कार्ड

15 करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित  
उर्वरकों में 8–10% की बचत और  
फसल उत्पादन में 5–6% की वृद्धि



### किसान क्रेडिट कार्ड योजना

परिचालित केसीसी की कुल संख्या  
(मार्च 2018) – लगभग 2.36 करोड़



### पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु जैविक मूल्य श्रृंखला विकास

45918 हेक्टेयर भूमि को जैविक खेती

के लिए उपयुक्त बनाया गया

97 किसान उत्पादक कंपनियों की स्थापना

उपर्युक्त कदम 'जय किसान' की अवधारणा को बढ़ावा देते हैं जो कि न केवल किसानों की आमदनी और स्थिति को बेहतर बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह खाद्य और पोषण सुरक्षा में भी भारत को अग्रणी बनाएगा।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
MANN KI BAAT



my  
GOV  
मेरी सरकार

www.mygov.in  
https://transformingindia.mygov.in  
#Transformingindia

# Keeping the job engine running

India is at the cusp of circumstances with a vibrant democracy with a rich demographic dividend. The Prime Minister has constantly emphasized upon strengthening Yuva Shakti which would ensure long term national building and sustainable development of India. Through laying emphasis on education and providing them with skilling opportunities, today's youth stands self sufficient where they are not merely job seekers, but job creators.



**Boost to Job Creation-**



**Mudra Yojana**  
More than 13 cr Mudra loans provided. 3.40 cr entrepreneurs benefited



**Common Service Centres**  
3 lakh VLEs operating across the country



**According to the EPFO payroll data**  
41 lakh formal jobs created (September 2017- April 2018)



**Mobile Manufacturing Unit**  
120 units set up  
Over 4 lakh jobs created



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's **MANN KI BAAT**



**my GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# रोजगार के बढ़े अवसर अपार

भारत एक विशाल आबादी वाला जीवंत लोकतांत्रिक देश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर देश की युवा शक्ति के सशक्तिकरण पर जोर देते रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि इससे नए राष्ट्र का निर्माण और देश का सतत विकास सुनिश्चित होगा। उनकी शिक्षा पर जोर और उन्हें कौशल विकास के समुचित अवसर प्रदान किए जाने से आज देश के युवा आत्मनिर्भर हैं। आज वे सिर्फ नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार का सृजन भी कर रहे हैं।



रोजगार के सृजन  
को बढ़ावा-



**मुद्रा योजना**

13 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण  
प्रदान किए गए  
3.40 करोड़ उद्यमियों को हुआ फायदा



**सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी)**

पूरे देश में 3 लाख वीएलई  
द्वारा संचालित



**ईपीएफओ पेट्रोल डेटा के मुताबिक**

41 लाख औपचारिक नौकरियों  
के अवसर बढ़े  
(सितंबर 2017-अप्रैल 2018)



**मोबाइल विनिर्माण इकाई**

120 इकाइयां स्थापित हुईं  
4 लाख से ज्यादा रोजगार के  
अवसरों का सृजन



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# A historic step towards empowering the Backward Communities

The government led by PM Narendra Modi has envisaged the welfare of the backward community to be an important component of India's developmental journey. By undertaking several policy measures and reforms, underscored through several welfare measures under the Gram Swaraj Abhiyan, the Aspirational District Program reiterates the government's commitment towards empowering the backward and financially weaker sections of the society.



The recent Parliament approval of the Constitution (123rd Amendment Bill) that grants constitutional status to the National Commission for Backward Classes (NCBC) is the realisation of PM Modi's vision of a holistic and inclusive development for all. The bill seeks to establish the NCBC under the Constitution to provide it with the authority to examine complaints and welfare measures regarding socially and educationally backward classes.



## The duties of the NCBC include:

Investigating and monitoring the status of the safeguards provided to the backward classes

Inquiring into specific complaints about violation of rights

Advising and making recommendations on the socio-economic development of classes

Lastly, the Cabinet has recently approved the term of the Commission to examine the issue of Sub-categorisation of Other Backward Class in Central List which is a significant juncture to facilitate the process of inclusion.



Dial 1922 to hear PM Narendra Modi's **MANN KI BAAT**



**my GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# पिछड़े समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार ने पिछड़े वर्ग के कल्याण को साथ में रख कर देश के विकास की कल्पना की है। कई नीतिगत उपायों और सुधारों के माध्यम से, ग्राम स्वराज अभियान के तहत कई कल्याणकारी योजनाओं और सुधारों को लागू करके केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत समाज के पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्ध है।

संविधान के 123 वें संशोधन विधेयक को संसद की हालिया मंजूरी से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) को संवैधानिक दर्जा मिल गया है, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समग्र और समावेशी विकास का सपना साकार हुआ है। इस विधेयक के जरिए एनसीबीसी को संविधान के तहत सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित शिकायतों और कल्याण के उपायों की जांच और निगरानी करने का अधिकार होगा।



## एनसीबीसी के प्रमुख कर्तव्य इस प्रकार हैं: —

पिछड़े वर्गों को प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों की स्थिति की जांच और निगरानी

अधिकारों के उल्लंघन के बारे में विशिष्ट शिकायतों की जांच

पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर सलाह एवं सिफारिश देना

अंत में कैबिनेट ने हाल ही में केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्गों के उप-वर्ग निर्धारण के विषय की पड़ताल करने के लिए आयोग की अवधि को विस्तार देने की मंजूरी दे दी है, जो समावेशन की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia

# India's strong economy continues to lead global growth- IMF



In the wake of economic liberalisation in 1991, India was likened to the elephant which is slow, ponderous but powerful and impossible to ignore. However 27 years down the line, the IMF concedes that Indian economy is an elephant that has achieved a momentous pace. The report states that **India's economic growth is supposed to pick up by about 7.3 % for the FY 2018-19** and commended govt policies like the the GST and expansion of economic activity which sees an increased Forex reserves and FDI flows , responsible for the positive outlook of the Indian economy.

## India amongst top 100 countries for E-Governance



Prime Minister Modi has always believed in the power of technology to influence and transform the economic potential of India. The United Nations E-Government Survey 2018 has ranked India at the 96th position in a list of 193 countries surveyed, which sees a jump of 22 places for its performance in development and execution of information technologies. Published every two years, this year`s theme was "Gearing E-Government to Support Transformation towards sustainable and resilient societies"



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



# वैश्विक विकास को बढ़ावा दे रही है भारत की अर्थव्यवस्था – आईएमएफ

“



”

1991 में आर्थिक उदारीकरण के दौरान भारत तुलना उस हाथी से की जाती थी, जो धीमा व स्थूल था और मगर उसकी शक्ति को अनदेखा करना भी असंभव था। हालांकि 27 साल बाद आईएमएफ ने स्वीकार किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक ऐसा विशाल हाथी है जो तेजी से आगे बढ़ रहा है। आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 7.3 प्रतिशत की दर से भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का अनुमान जताया है। साथ ही कहा गया है कि जीएसटी जैसी सरकारी नीतियों और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार से विदेशी मुद्रा भंडार और एफडीआई प्रवाह में बढ़ोतरी हुई है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सकारात्मक पहलू के लिए जिम्मेदार है और इसके विकास की ओर भी बेहतर संभावनाएं हैं।

## ई-गवर्नेंस इंडेक्स में टॉप 100 देशों में भारत

“



”

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि देश में बदलाव और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी की शक्ति को अपनाना बेहद जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र ई-गवर्नेंस सर्वेक्षण 2018 में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास और निष्पादन में भारत को 193 देशों की सूची में 96 वां स्थान मिला है। भारत के रैंक में 22 स्थानों का सुधार हुआ है। सर्वेक्षण हर दो साल में प्रकाशित किया जाता है। इस साल के सूचकांक का विषय "टिकाऊ और परिवर्तनशील समाजों में बदलाव हेतु ई-गवर्नमेंट को बढ़ावा" था।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



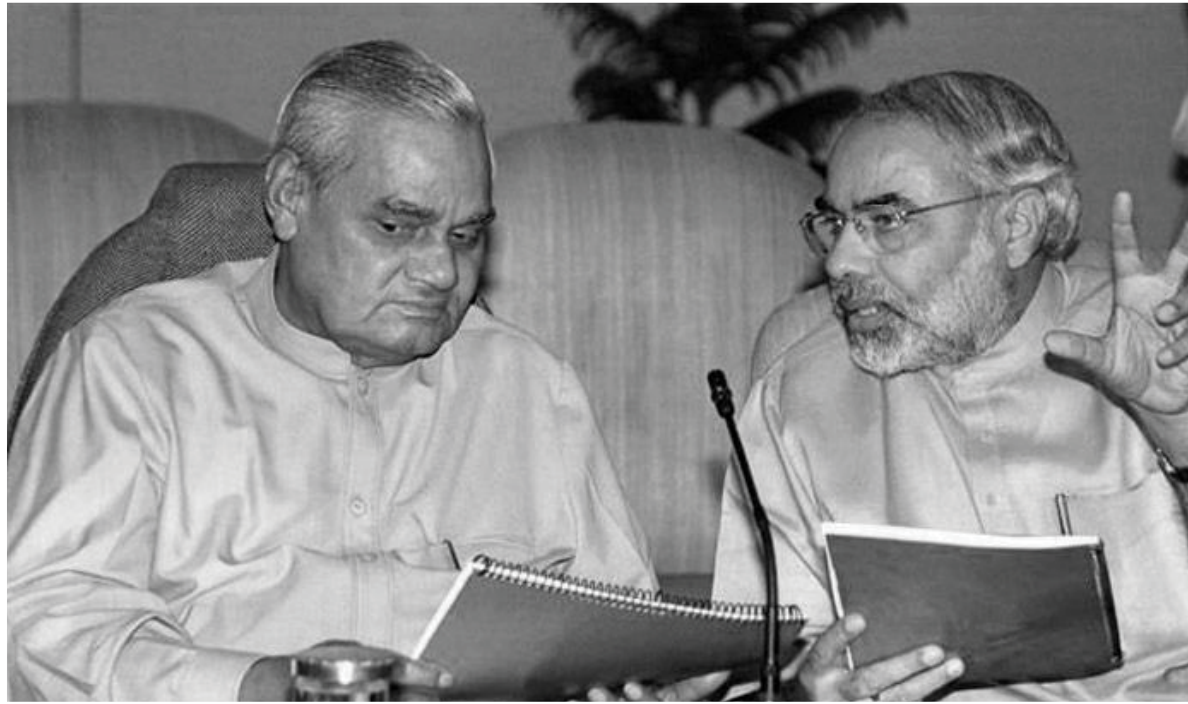
**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
**#Transformingindia**

# A Grateful Nation Bids Farewell to Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee

## A LEADER FOR THE AGES – AHEAD OF HIS TIMES

- PM NARENDRA MODI



In times of turbulence and disruption, a nation is blessed to have a leader who rises to become its moral compass and guiding spirit, providing vision, cohesion and direction to his people. And, in such a moment at the turn of the century, India found one in AtalBihari Vajpayee, who was gifted in spirit, heart and mind.

For those of us who knew him, he was, first, the rarest of human beings, who touched and inspired everyone he met. He was compassionate to the core, generous in spirit, warm beyond measure and kind to a fault. He was deeply respectful of others and gifted with a rare sense of humour that he often turned upon himself.



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
[#TransformingIndia](https://twitter.com/TransformingIndia)

Orator without parallel, he could switch from disarming humour to a lofty vision with ease, with a rare ability to connect with people naturally, to stir them to self-belief and to a higher cause. Sharply perceptive, he could summarize the most complex issues and discussions in a single sentence or question.

Born into a family of modest means and high ideals, he hailed from a small town in Madhya Pradesh. His youth was defined by academic excellence and quest for public service during the gathering momentum of freedom struggle. Starting as an ordinary Karyakarta in the Jana Sangh, he organized the only truly national-level party to be formed in independent India – the BJP – and helmed its organization work after the passing away of ShriSyama Prasad Mookerjee and PanditDeendayalUpadhyaya.

Through the four decades of leadership in Parliament, the struggle against Emergency (who can forget that memorable rally in Delhi's Ramlila Maidan when his speech became the roar of the nation), the clarity to represent his party with passion but always speak for the nation, he defined the spirit of democracy in India. Firm in his political beliefs, but always accommodating and respectful of other points of view, he set the standards of debate in Parliament. In his simplicity and integrity, in his dignity and empathy, and a sense of personal non-attachment to the office, he became an inspiration for a nation of youth.

He rescued the economy from the morass of the mid-1990s, when political instability at home and an uncertain global environment had threatened to derail a still incipient economic reforms process. He sowed the seeds of much of the economic success that we have experienced over the past two decades. For him, growth was a means to empower the weakest and mainstream the marginalized. It's that vision that continues to drive our government's policy.

It was Atal Ji who prepared the foundations of an India that is ready to take on the mantle of global leadership in the 21st century. The futuristic economic policies and reforms of his Government ensured prosperity for several Indians. His thrust on next-generation infrastructure particularly roads and telecom contributed to our country's economic as well as social empowerment.

Atal Ji irreversibly changed India's place in the world. He overcame the hesitation of our nation, the resistance of the world and threat of isolation to make India a nuclear weapons power. It was not a decision he took lightly,



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



but one he knew was of paramount importance in the face of mounting challenges to India's security. No longer would India's security be vulnerable. At that moment of surge in national pride, his was a voice of restraint and responsibility. And, the world listened to the wisdom of the man of peace. Equally important, he then brought to bear his extraordinary understanding of world affairs and formidable diplomatic skills to gain global acceptance of new realities. Indeed, it is the combination of his legacies of creating strategic capabilities, promoting stronger economic growth, undertaking multi-directional diplomacy and harnessing of diaspora energies that is today the basis for the respect we command across the world.

He transformed five decades of estrangement with USA into an enduring strategic partnership in the course of five years. He also steered India to deep friendship with a new post-Soviet Russia through a strategic partnership in 2000. I had the privilege of accompanying him on a visit to Russia in November 2001 when we concluded a sister province agreement between Gujarat and Astrakhan. With China, he made the boldest move for peace in an effort to overcome the burdens of a difficult past by establishing the mechanism of Special Representatives for boundary talks. Atal Ji's conviction that these two ancient civilisations - which are rising powers - can work together to shape the global future continues to guide my thinking.

A person of grassroots, our neighbours were his priority. In many ways, he was the inspiration for, and even pioneer of, our Neighbourhood First policy. He was unwavering in his support as an opposition leader towards Bangladesh's liberation. He went to Lahore in search of peace. With persistence and optimism that was his nature, he continued to search for peace and heal the wounds in Jammu and Kashmir. But, he was resolute in winning the Kargil War. And, when our Parliament was struck, he made the world recognize the true nature and source of cross-border terrorism against India.



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
**#Transformingindia**

Personally, Atal Ji was an ideal, a Guru, and role model who inspired me deeply. It was he who entrusted me with responsibilities both in Gujarat as well as at the national level. It was he who called me one evening in October 2001, and told me to go to Gujarat as the Chief Minister. When I told him that I had always worked in the organization, he said he was confident I would fulfill the people's expectations. The faith he had in me was humbling.

Today, we are a self-assured nation, brimming with the energy of our youth and resolve of our people, eager for change and confident of achieving it, striving for clean and responsive governance, building future of inclusion and opportunity for all Indians. We engage the world as equals and in peace, and we speak for principles and support the aspirations of others. We are on the path that Atal Ji wanted us to take. He was ahead of the times, because he had a deep sense of history, and he could peer into the soul of India from his grasp of our civilizational ethos.



A life is to be judged not just by the extent of grief that follows when its light goes out. It is also to be measured by the lasting impact on the lives of people and the course of time. For that reason, Atal Ji was a true Ratna of Bharat. His spirit will continue to guide us as we build the New India of his dreams.



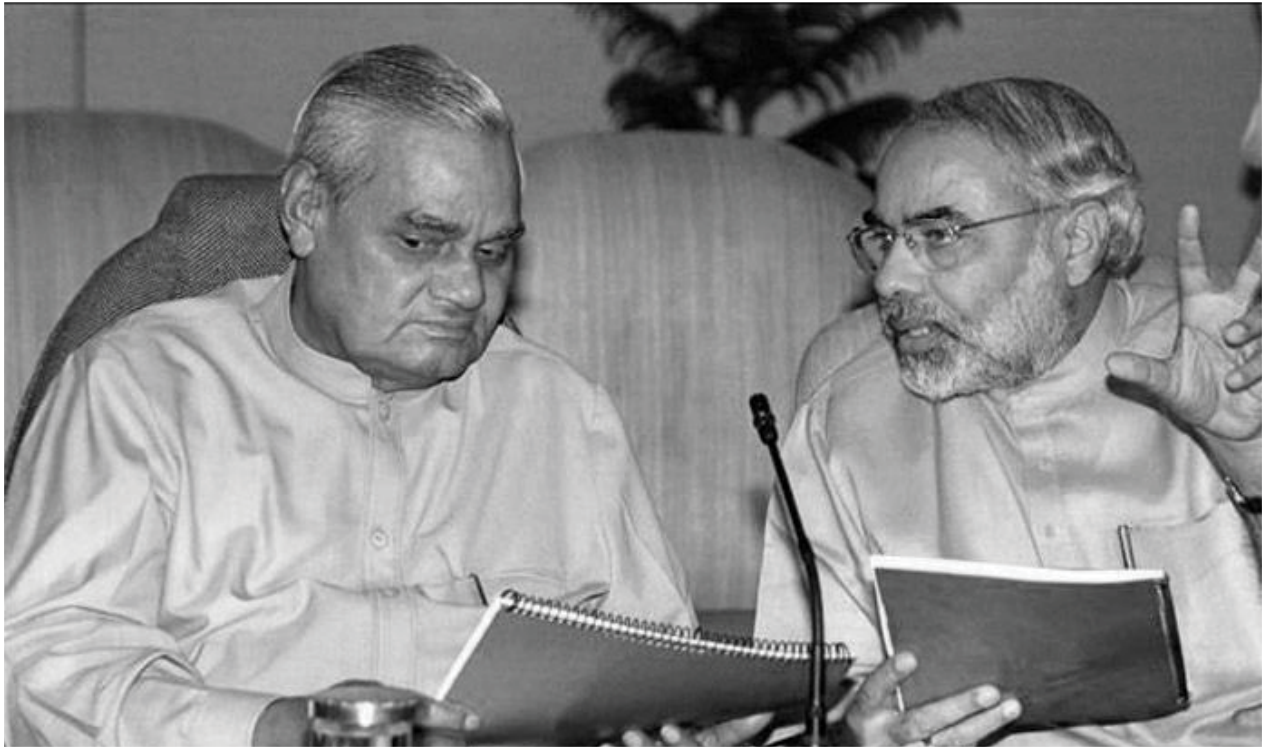
Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
**#Transformingindia**

# मेरे अटल जी - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



अटल जी अब नहीं रहे। मन नहीं मानता। अटल जी, मेरी आंखों के सामने हैं, स्थिर हैं। जो हाथ मेरी पीठ पर धौल जमाते थे, जो स्नेह से, मुस्कराते हुए मुझे अंकवार में भर लेते थे, वे स्थिर हैं। अटल जी की ये स्थिरता मुझे झकझोर रही है, अस्थिर कर रही है। एक जलन सी है आंखों में, कुछ कहना है, बहुत कुछ कहना है लेकिन कह नहीं पा रहा। मैं खुद को बार-बार यकीन दिला रहा हूँ कि अटल जी अब नहीं हैं, लेकिन ये विचार आते ही खुद को इस विचार से दूर कर रहा हूँ। क्या अटल जी वाकई नहीं हैं? नहीं। मैं उनकी आवाज अपने भीतर गूँजते हुए महसूस कर रहा हूँ, कैसे कह दूँ, कैसे मान लूँ, वे अब नहीं हैं।

वे पंचतत्व हैं। वे आकाश, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, सबमें व्याप्त हैं, वे अटल हैं, वे अब भी हैं। जब उनसे पहली बार मिला था, उसकी स्मृति ऐसी है जैसे कल की ही बात हो। इतने बड़े नेता, इतने बड़े विद्वान। लगता था जैसे शीशे के उस पार की दुनिया से निकलकर कोई सामने आ गया है। जिसका इतना नाम सुना था, जिसको इतना पढ़ा था, जिससे बिना मिले, इतना कुछ सीखा था, वो मेरे सामने था। जब पहली बार उनके मुँह से मेरा नाम निकला तो लगा, पाने के लिए बस इतना ही बहुत है। बहुत दिनों तक मेरा नाम लेती हुई उनकी वह आवाज मेरे कानों से टकराती रही। मैं कैसे मान लूँ कि वह आवाज अब चली गई है।

कभी सोचा नहीं था, कि अटल जी के बारे में ऐसा लिखने के लिए कलम उठानी पड़ेगी। देश और दुनिया अटल जी को एक स्टेट्समैन, धारा प्रवाह वक्ता, संवेदनशील कवि, विचारवान लेखक, धारदार पत्रकार और विजनरी जननेता के तौर पर जानती है। लेकिन मेरे लिए उनका स्थान इससे भी ऊपर का था। सिर्फ इसलिए नहीं कि मुझे उनके साथ बरसों तक काम करने का अवसर मिला, बल्कि मेरे जीवन, मेरी सोच, मेरे आदर्शों—मूल्यों पर जो छाप उन्होंने छोड़ी, जो विश्वास उन्होंने मुझ पर किया, उसने मुझे गढ़ा है, हर स्थिति में अटल रहना सिखाया है।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
[#Transformingindia](https://transformingindia)

हमारे देश में अनेक ऋषि, मुनि, संत आत्माओं ने जन्म लिया है। देश की आजादी से लेकर आज तक की विकास यात्रा के लिए भी असंख्य लोगों ने अपना जीवन समर्पित किया है। लेकिन स्वतंत्रता के बाद लोकतंत्र की रक्षा और 21वीं सदी के सशक्त, सुरक्षित भारत के लिए अटल जी ने जो किया, वह अभूतपूर्व है।

उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था—बाकी सब का कोई महत्त्व नहीं। **इंडिया फर्स्ट**— भारत प्रथम, ये मंत्र वाक्य उनका जीवन ध्येय था। पोखरण देश के लिए जरूरी था तो चिंता नहीं की प्रतिबंधों और आलोचनाओं की, क्योंकि देश प्रथम था। सुपर कंप्यूटर नहीं मिले, क्रायोजेनिक इंजन नहीं मिले तो परवाह नहीं, हम खुद बनाएंगे, हम खुद अपने दम पर अपनी प्रतिभा और वैज्ञानिक कुशलता के बल पर असंभव दिखने वाले कार्य संभव कर दिखाएंगे। और ऐसा किया भी। दुनिया को चकित किया। सिर्फ एक ताकत उनके भीतर काम करती थी—देश प्रथम की जिद।

काल के कपाल पर लिखने और मिटाने की ताकत, हिम्मत और चुनौतियों के बादलों में विजय का सूरज उगाने का चमत्कार उनके सीने में था तो इसलिए क्योंकि वह सीना देश प्रथम के लिए धड़कता था। इसलिए हार और जीत उनके मन पर असर नहीं करती थी। सरकार बनी तो भी, सरकार एक वोट से गिरा दी गयी तो भी, उनके स्वर्णों में पराजय को भी विजय के ऐसे गगन भेदी विश्वास में बदलने की ताकत थी कि जीतने वाला ही हार मान बैठे।

अटल जी कभी लीक पर नहीं चले। उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में नए रास्ते बनाए और तय किए। “आंधियों में भी दीये जलाने”की क्षमता उनमें थी। पूरी बेबाकी से वे जो कुछ भी बोलते थे, सीधा जनमानस के हृदय में उतर जाता था। अपनी बात को कैसे रखना है, कितना कहना है और कितना अनकहा छोड़ देना है, इसमें उन्हें महारत हासिल थी।

राष्ट्र की जो उन्होंने सेवा की, विश्व में मां भारती के मान सम्मान को उन्होंने जो बुलंदी दी, इसके लिए उन्हें अनेक सम्मान भी मिले। देशवासियों ने उन्हें भारत रत्न देकर अपना मान भी बढ़ाया। लेकिन वे किसी भी विशेषण, किसी भी सम्मान से ऊपर थे।

जीवन कैसे जीया जाए, राष्ट्र के काम कैसे आया जाए, यह उन्होंने अपने जीवन से दूसरों को सिखाया। वे कहते थे,

“**हम केवल अपने लिए ना जीएं, औरों के लिए भी जीएं... हम राष्ट्र के लिए अधिकाधिक त्याग करें। अगर भारत की दशा दयनीय है तो दुनिया में हमारा सम्मान नहीं हो सकता। किंतु यदि हम सभी दृष्टियों से सुसंपन्न हैं तो दुनिया हमारा सम्मान करेगी**”



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia



File Photo

देश के गरीब, वंचित, शोषित के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए वे जीवनभर प्रयास करते रहे। वे कहते थे "गरीबी, दरिद्रता गरिमा का विषय नहीं है, बल्कि यह विवशता है, मजबूरी है और विवशता का नाम संतोष नहीं हो सकता"। करोड़ों देशवासियों को इस विवशता से बाहर निकालने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किए। गरीब को अधिकार दिलाने के लिए देश में आधार जैसी व्यवस्था, प्रक्रियाओं का ज्यादा से ज्यादा सरलीकरण, हर गांव तक सड़क, स्वर्णिम चतुर्भुज, देश में विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, राष्ट्र निर्माण के उनके संकल्पों से जुड़ा था।

आज भारत जिस टेक्नोलॉजी के शिखर पर खड़ा है उसकी आधारशिला अटल जी ने ही रखी थी। वे अपने समय से बहुत दूर तक देख सकते थे – स्वप्न दृष्टा थे लेकिन कर्म वीर भी थे। कवि हृदय, भावुक मन के थे तो पराक्रमी सैनिक मन वाले भी थे। उन्होंने विदेश की यात्राएं कीं। जहाँ-जहाँ भी गए, स्थाई मित्र बनाये और भारत के हितों की स्थाई आधारशिला रखते गए। वे भारत की विजय और विकास के स्वर थे।

अटल जी का प्रखर राष्ट्रवाद और राष्ट्र के लिए समर्पण करोड़ों देशवासियों को हमेशा से प्रेरित करता रहा है। राष्ट्रवाद उनके लिए सिर्फ एक नारा नहीं था बल्कि जीवन शैली थी। वे देश को सिर्फ एक भूखंड, जमीन का टुकड़ा भर नहीं मानते थे, बल्कि एक जीवंत, संवेदनशील इकाई के रूप में देखते थे। "भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता जागता राष्ट्रपुरुष है।" यह सिर्फ भाव नहीं, बल्कि उनका संकल्प था, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया। दशकों का सार्वजनिक जीवन उन्होंने अपनी इसी सोच को जीने में, धरातल पर उतारने में लगा दिया। आपातकाल ने हमारे लोकतंत्र पर जो दाग लगाया था उसको मिटाने के लिए अटल जी के प्रयास को देश हमेशा याद रखेगा।

राष्ट्रभक्ति की भावना, जनसेवा की प्रेरणा उनके नाम के ही अनुकूल अटल रही। भारत उनके मन में रहा, भारतीयता तन में। उन्होंने देश की जनता को ही अपना आराध्य माना। भारत के कण-कण, कंकर-कंकर, भारत की बूंद-बूंद को, पवित्र और पूजनीय माना।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
**#Transformingindia**



जितना सम्मान, जितनी ऊंचाई अटल जी को मिली उतना ही अधिक वह जमीन से जुड़ते गए। अपनी सफलता को कभी भी उन्होंने अपने मस्तिष्क पर प्रभावी नहीं होने दिया। प्रभु से यश, कीर्ति की कामना अनेक व्यक्ति करते हैं, लेकिन ये अटल जी ही थे जिन्होंने कहा,

**“ हे प्रभु! मुझे इतनी ऊंचाई कभी मत देना।  
गैरों को गले ना लगा सकूं, इतनी रुखाई कभी मत देना ,”**

अपने देशवासियों से इतनी सहजता और सरलता से जुड़े रहने की यह कामना ही उनको सामाजिक जीवन के एक अलग पायदान पर खड़ा करती है।

वे पीड़ा सहते थे, वेदना को चुपचाप अपने भीतर समाये रहते थे, पर सबको अमृत देते रहे— जीवन भर। जब उन्हें कष्ट हुआ तो कहने लगे— “देह धरण को दंड है, सब काहू को होये, ज्ञानी भुगते ज्ञान से मूरख भुगते रोए।” उन्होंने ज्ञान मार्ग से अत्यंत गहरी वेदनाएं भी सहन कीं और वीतरागी भाव से विदा ले गए।

यदि भारत उनके रोम रोम में था तो विश्व की वेदना उनके मर्म को भेदती थी। इसी वजह से हिरोशिमा जैसी कविताओं का जन्म हुआ। वे विश्व नायक थे। मां भारती के सच्चे वैश्विक नायक। भारत की सीमाओं के परे भारत की कीर्ति और करुणा का संदेश स्थापित करने वाले आधुनिक बुद्ध।

कुछ वर्ष पहले लोकसभा में जब उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सांसद के सम्मान से सम्मानित किया गया था तब उन्होंने कहा था,

**“यह देश बड़ा अद्भुत है, अनूठा है। किसी भी पत्थर को सिंदूर  
लगाकर अभिवादन किया जा रहा है, अभिनंदन किया जा सकता है।”**



अपने पुरुषार्थ को, अपनी कर्तव्यनिष्ठा को राष्ट्र के लिए समर्पित करना उनके व्यक्तित्व की महानता को प्रतिबिंबित करता है। यही सवा सौ करोड़ देशवासियों के लिए उनका सबसे बड़ा और प्रखर संदेश है। देश के साधनों, संसाधनों पर पूरा भरोसा करते हुए, हमें अब अटल जी के सपनों को पूरा करना है, उनके सपनों का भारत बनाना है। नए भारत का यही संकल्प, यही भाव लिए मैं अपनी तरफ से और सवा सौ करोड़ देशवासियों की तरफ से अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, उन्हें नमन करता हूँ।



Dial 1922 to hear  
PM Narendra Modi's  
**MANN KI BAAT**



**my  
GOV**  
मेरी सरकार

[www.mygov.in](http://www.mygov.in)  
<https://transformingindia.mygov.in>  
#Transformingindia